4- भक्तिन अच्छी है, यह कहना कठिन होगा, क्योंकि उसमें दुर्गुणों का अभाव नहीं लेखिका ने ऐसा क्यों कहा होगा?

उत्तर- यद्यपि भक्तिन ईमानदार, मेहनती और लेखिका की अनन्य सेविका है, तथापि उसमें अनेक दुर्गुण भी थे जो निम्नलिखित हैं-

1- लेखिका को प्रसन्न करने के भक्तिन झूठ का सहारा लेना न्यायसंगत मानती है।

2- घर में इधर-उधर पड़े पैसों को अपना समझकर मटके में डाल देना अनुचित नहीं समझती है। यदि इसे कोई गलत कहता है तो अनेक तर्कों के द्वारा उसे पराजित कर देती है।

3- शास्त्र की बातों को भी वह अपनी सुविधानुसार सुलझा लेती है। लेखिका द्वारा दिए गए तर्कों को भी नहीं मानती।

4- वह दूसरों को अपने अनुसार ढालना चाहती है परंतु स्वयं को नहीं बदलती।

5- भक्तिन द्वारा शास्त्र के प्रश्न को सुविधा से सुलझा लेने का क्या उदाहरण लेखिका ने दिया है?

उत्तर- भक्तिन शास्त्र के प्रश्नों को भी अपनी सुविधा के अनुसार सुलझा लेती है। लेखिका को स्त्रियों का सिर घुटाना अच्छा नहीं लगता था, अतः उसने भक्तिन को ऐसा करने से मना किया। इस पर भक्तिन ने लेखिका को उत्तर दिया कि ऐसा शास्त्र में लिखा है। लेखिका कौतूहलवश पूछ बैठी- क्या लिखा है? उसने तुरंत उत्तर दिया- 'तीरथ गए मुँड़ाए सिद्धा' यह किस शास्त्र का रहस्यमय सूत्र था लेखिका के लिए यह समझ पाना असंभव था। भक्तिन के तर्कों के समक्ष लेखिका निरुत्तर हो जाती थी। भक्तिन